नमस्ते दोस्तो,

मेरा नाम जय हैं । और यह मेरी पहली कहानी हैं । बात जब की हैं जब मैं बी.काम फाईनल का छात्र था । मेरा परिवार शादी में शहर के बाहर गया हुआ था । मैं घर पर अकेला था । शाम को 7.00 बजे डोअर बेल बजी । मैने दरवाजा खोला तो मेरी अनिता मौसी और उनके साथ एक सुंदर लडकी थी । पूछने पर उन्होंने बताया कि ये मेरी भतीजी योगिता हैं, दो दिन बाद इसकी कांपीटिशन एक्जाम हैं । इसलिये वह इसे यहां पर लेकर आई हैं । यहां पर पढाई भी हो जायेगी और यह शहर भी देख लेगी ।

दोस्तो मैं आपको बताना चाहूंगा कि मेरी मौसी की उम्र उस समय 35 साल के आसपास होगी । वह बहुत सुंदर और सुडौल शरीर की मालकिन हैं । आज भी बहुत सेक्सी लगती हैं । उनके साथ ही उनकी भतीजी योगिता भी मस्त और बहुत सुंदर थी, बिलकुल करीना कपूर की तरह लगती थी ।

आज रात का खाना मौसी और योगिता ने मिलकर बनाया था । और मैं तो उन दोनों के ख्यालों में खोया हुआ था । मैं किसी भी तरह उन्हें चौदना चाहता था । रात को खाना खाने के बाद मैंने उनके सोने के लिये एक रूम में एक ही बिस्तर पर व्यवस्था कर दी । वह कमरा बिलकुल मेरे कमरे से लगा हुआ था । मैं मेरे कमरे में सोने के लिये चला गया । लेकिन मुझे नींद कहां आनी थी । मैं कमरे से बाहर आ गया । उन्होनें अपने कमरे का दरवाजा बंद कर लिया था । मैनें बाहर की सब लाईट्स बंद कर दी । अब केवल उनके कमरे की लाईट चालू थी । मैंने दरवाजे से उनके कमरे के अंदर झांका । अंदर मौसी और योगिता कपडे बदल रही थी । मैंने देखा कि मौसी ब्लाउज खोल रही हैं । उन्होने पेटीकोट भी खोल दिया । अब वह केवल ब्रा और पेंटी में ही थी । उनका बदन देखते ही बनता था । बिलकुल दूध की तरह गौरी चिटटी थी । योगिता ने कपडे बदल लिये थे । वह केवल नेकर और छोटी सी टीशर्ट में थी । बिलकुल छोटी सी सेक्सी गुडिया दिख रही थी । मैंने गौर किया कि मौसी केवल ब्रा और पेंटी में थी तो योगिता उन्हे बहुत ध्यान से देख रही थी ।

यह सब देखकर मेरे दिल की धडकन तेज हो गई । मैं अपने कमरे में आ गया । मैने अपने कमरे की खिडकी के छेद से देखना चालू किया । मुझे ऐसा लग रहा था कि मैं बिलकुल उनके पास आ गया हू क्योंकि यह खिडकी उनके ही कमरे से जुडी हुई थी । मेरे कमरे में अंधेरा था और उनके कमरे की रोशनी छेद से आ रही थी । मैने देखा कि मौसी ब्रा और पेंटी में पलंग पर लेट गई । योगिता उनके पडोस में लेटी थी । दोनों का एक दूसरे की तरफ मुंह था । अचानक मौसी ने योगिता का सिर पकडा और उसे नरम होंठों पर अपने होंठ रखकर चूसने लगी । योगिता भी उनका साथ देने लगी । दोनों ने एक दूसरे को करीब 10 मिनट तक चूसा । मौसी ने योगिता की टीशर्ट खोल दी । उसके बोबे साफ नजर आने लगे । दूध जैसे सफेद बोबे पर ब्राउन कलर की चूची थी । मौसी ने बारी–बारी से दोनों चूची को चूसा और साथ ही साथ उसकी नेकर भी खोल दी । योगिता की बिना झाट की चिकनी चूत देखकर मैं मस्त हो गया । मेरा दिल मेरे काबू में नहीं था । योगिता ने भी मौसी की ब्रा खोली और उन्हें चूसने लगी । करीब 5 मिनट तक दोनों चूंचियों को चूसने के बाद योगिता ने मौसी की पेंटी भी खोल दी । अब दोनों पूरी तरह से नंगी हो गई । दोनों बहुत ही सेक्सी नजर आ रही थी ।

दोनों ने फिर आपस में होंठ मिलाकर मजा लिया । उसके बाद मौसी सीधी लेट गई । योगिता पेट के बल मोसी के उपर उनकी टांग की तरफ मुह करके लेट गई । अब वे दोनों इस स्थिति में थी कि योगिता की चूत मौसी के मुंह पर और मौसी की चूत योगिता के मुंह में थी । दोनों जीभ डाल डालकर एक दूसरे की चूत का रस चूसने लगी । यह देखकर तो मैं पागल सो हो गया था । मैंने इस दरम्यान अपने पूरे कपडे धीरे–धीरे करके खोल दिये । अब मै पूरी तरह नंगा हो चुका था ।

अब मैं अपने को काबू में नहीं रख पा रहा था । मैंने वहीं से खिडकी धीरे से खोली और उनके पलंग के पास आकर खडा हो गया । मेरा लंड 6 इंच का पूरी तरह तना हुआ अपने शबाब

पर था । वे दोनों अब भी एक दूसरे की चूत चूसने में मस्त थी । तभी योगिता की नजर मुझ पर पडी वह बैठी हो गई । वह पूरी तरह चौंक गई थी । मौसी भी बैठी हो गई । मेरी भी समझ में नहीं आ रहा था कि मैं क्या करूं । मैंनें योगिता के होंठो पर होंठ रखकर लॉलीपोप की तरह चूसना चालू कर दिया । कुछ देर तो वह मुझे हटाने की चेस्टा करती रही पर फिर वह मेरा साथ देने लगी । मौसी यह देखकर बोली – क्या तुम दोनों अकेले गांड मरवाओगे, मैं भी तो साथ में हूॅ । यह सुनकर मैं चौंका लेकिन खुश भी हो गया कि अब मैं दोनों की गांड मार सकता हूॅ ।

मैं मौसी को होंठों का रस चूसने लगा । मौसी और योगिता दोनों ने मेरे लंड से खेलना चालू कर दिया । मैं मौसी के मोटे–मोटे बोबो का रस चूसने लगा । योगिता मेरे शरीर पर चुंबन ले रही थी । उसके बाद मै मौसी की चूत में मुह देकर चूसने लगा तो उनके मुह से आहहहहहहहहह की आवाज आने लगी । उसके बाद मैं योगिता की चूत में मुह दे दिया । योगिता के मुंह से भी सिसकारी छूटने लगी । तभी मौसी ने अचानक मेरे लौड़े को हाथ में लिया और अपने मुंह में भरकर चूसने लगी । अब चिखने की बारी मेरी थी । पर मौसी मेरे लंड को लालीपाप समझकर चूसे जा रही थी । अब मैं पानी निकालने वाला था । मौसी ने मेरा पूरा पानी पी लिया ।

यह देखकर योगिता बोली, यह तुमने क्या करा अभी चूत में भी तो डालना बाकी हैं । मौसी बोली योगिता तू इसके लौडे को चूस अभी खडा हो जायेगा । योगिता ने मेरे लौडे को हाथ में लिया और मजे से चूसने लगी । मेरे लोडे पर जो पानी था वह भी चूस गई । मेरे लोडा फिर से तन गया । मैनें योगिता को बिस्तर पर लिटाया और लंड को उसकी चूत पर रखकर एक धक्का दिया । आधा लंड उसकी चूत में घुस गया और उसकी चीख निकल गई । मैंने एक धक्का और दिया तो पूरा लंड उसकी चूत में चला गया । मैं लोडे को अंदर बाहर करता रहा और उसके होंठों से सिसकियां निकलती रही । 15 मिनट बाद मेरा वीर्य उसकी चूत में छूट गया । योगिता को भी चूदवाने में मजा आ गया ।

मौसी बोली बहनचोद अब मेरी भी गांड मारेगा या इसी गंडमरी के साथ चिपका रहेगा । मैं बोला मौसी आपकी गांड तो ऐसी मारूंगा कि सात जनम तक मुझसे ही चुदवाओगी । चल जल्दी से मेरे लोडे को अपने मुंह में ले और चूसकर खडा कर दें । मौसी बोली – अभी ले मेरे राजा । मौसी लंड को चूसने लगी । कुछ देर बाद लंड फिर से खडा हो गया । मौसी को मैंने बिस्तर पर लिटाया और एक धक्के साथ उसकी चूतड में लोडें को डाल दिया । मौसी की चीख निकल रही थी । मैं बोला – मौसी इतनी बार चुदवा चुकी हो फिर भी आवाज कर रही हो । मौसी बोली – हॉ रे, तेरे लोडा तो बहुत सख्त और मोटा हैं इसलिये आवाज निकल गई । चल जल्दी से चौद दे अपनी मौसी को । मैं पूरे मन से मौसी को चोद रहा था । उन दोनों की चिकनी चूत में लंड डालकर जो आनंद मुझे प्राप्त हुआ मैं बता नहीं सकता ।

मैं मौसी को चौदने में मस्त था और योगिता मेरे शरीर को हर जगह से चूस रही थी । मैंनें मौसी से पूछा – क्यों मौसी, मजा आ रहा हैं न । मौसी बोली – बहुत मजा आ रहा हैं मेरे राजा । और तू मुझे मौसी मत बोल । अनिता मेरी जान बोल । मैं यह सुनकर और जोश में आ गया । मैं मौसी से बोला – वाह अनिता, मेरी जान तु तो बहुत सेक्सी हैं । तुझे चोदकर तो मजा आ गया । यह सुनकर मौसी फुली नहीं समाई और उछल–उछलकर मेरा साथ देने लगी । 12–15 मिनट तक मैं मौसी को चोदता रहा । उसके मैं अपना आधा वीर्य उसकी चूत में डाल ही रहा था कि योगिता ने मेरा लौडा मौसी की चूत से निकाला और अपने मुह में लेकर चूसने लगी । मैंने बाकी का सारा पानी उसके मुह में उडेल दिया । वह मजे से उसे चूस गई । अब हम तीनों थककर बिस्तर पर मजे से पडे हुए थे ।

मौसी बोली – क्यों राजा मजा आया कि नहीं । मैं बोला – मजा क्यों नहीं आयेगा अनिता डार्लिंग । तुम्हारे जैसी मस्त और सेक्सी लौंडी चौदने को मिल जाये तो समझो स्वर्ग जीत लिया । पर अभी तो मुझे तुम दोनों की गांड में भी लंड डालकर चौदना हैं । यह सुनकर योगिता और मौसी दोनों हंसने लगी । हम तीनों थक गये थे इसलिये नंगे ही सो गये । सुबह मौसी की नींद जल्दी खुली तो उन्होनें हम दोनों को जगा दिया । फिर मैं उन दोनों की गांड को जमकर चौदा ।

दोनों पूरी तरह मस्त हो गई । हम तीनों एक साथ ही नहाने गये और उसके बाद साथ बैठकर नाश्ता किया । हम तीनों के चेहरे खिले हुए थे और मंद मंद मुस्कान होंठो पर खेल रही थी ।

हां तो दोस्तों आपको कैसी लगी यह कहानी । मुझे मेरे पर ईमेल करके अपनी राय जरूर बताईयेगा । मेरा ईमेल आईडी हैं – urfanah@yahoo.co.in